# थीम 1: सुनना और बोलना

बच्चे विभिन्न संदर्भों में परस्पर बातचीत, कविता, कहानी आदि को ध्यानपूर्वक सुनकर समझते हैं और अपनी प्रतिक्रिया देते हैं। कहानी, कविता, संवाद आदि को भावपूर्ण ढंग से सुनाते हैं। पूछे गए प्रश्नों के स्पष्ट उत्तर देते हैं।

## अधिगम उपलब्धियाँ (Learning outcomes):

- **अपरिचित संदर्भों और विषयों पर सुनी गई बात को समझकर अपनी प्रतिक्रिया दे सकेंगे।**
- विद्यालय में दिन-प्रतिदिन के संवाद में सक्रिय रूप से भाग ले सकेंगे।
- **सूचनाओं व जानकारियों और औपचारिक तथा अनौपचारिक संदेशों को सुनकर समझ सकेंगे तथा अपने सहपाठियों और अभिभावकों को स्पष्ट रूप से संप्रेषित कर सकेंगे।**
- **अपरिचित शब्दों का अर्थ विशेष संदर्भ में अनुमान द्वारा समझ सकेंगे।**
- पिछली कक्षा की अपेक्षा अधिक लंबी एवं अमूर्त विषयों (प्रेम, सौहार्द, एकता आदि) पर कविताएँ सुनेंगे और उचित हाव – भाव और लय के साथ सुना सकेंगे।
- भिन्न – भिन्न अवसरों पर कविता, कहानी, गीत, वक्तव्य चुटकुले, पहेलियाँ आदि सुना सकेंगे।
- नाटक में भाग लेंगे और अपने चरित्र के अनुसार संवाद बोल सकेंगे।
- भिन्न – भिन्न स्थानों के अनुभवों को याद कर कक्षा में सुना सकेंगे।
- सुनी हुई घटनाओं, कहानियों आदि को उचित क्रम से स्पष्ट शब्दों में अभिनयात्मक ढंग से सुना सकेंगे।
- **सुनी गई पाठ्य सामग्री के मुख्य भाव को समझ सकेंगे और बता सकेंगे।**
- पाठ्य पुस्तक एवं उससे इतर बाल साहित्य की रचनाओं के पठन को रुचि के साथ सुनकर **प्रश्न कर सकेंगे, अपने तर्क दे सकेंगे तथा अपने विचार प्रस्तुत कर सकेंगे।**
- नई कहानियाँ (फंतासी, ऐतिहासिक आदि), प्रसंग, घटनाएँ, वर्णन आदि सुनकर समझ सकेंगे और विस्तृत जानकारी तथा जिज्ञासा शांत करने के लिए प्रश्न पूछ सकेंगे।
- संचार माध्यमों के द्वारा आयोजित बाल कार्यक्रमों जैसे – तरंग आदि के कार्यक्रम देखकर समझ सकेंगे और उन पर अपने विचार प्रस्तुत कर सकेंगे।
- अध्यापक द्वारा पढ़ाए जा रहे पाठों को ध्यान से सुनकर पूछे गए प्रश्नों का अपने शब्दों में स्पष्ट उत्तर दे सकेंगे।

## सुनना और बोलना

| सुझावित विषय / क्षेत्र | सुझावित शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया | सुझावित अधिगम स्रोत |
|---|---|---|
| • अपने अनुभवों एवं कल्पनाओं का प्रत्यास्मरण<br>• सुनी हुई कविताएँ एवं गीत<br>• समाचार पत्रों, पाठ्य पुस्तक एवं पाठ्य पुस्तक से इतर सामग्री से पढ़ी गई कविता, कहानी, तुकबंदी, गीत | • भिन्न-भिन्न संदर्भों में भाषा के मौखिक रूप के प्रति समझ बनाने के अवसर दें (विभिन्न स्रोतों द्वारा कविता, कहानी, नाटक, घटना आदि)।<br>• अपरिचित शब्दों / नामों का अर्थ जानने-समझने के अवसर दें।<br>• अपने अनुभवों को साझा कर करने के अवसर प्रदान करें। | • सी०डी०, शब्दों के कार्ड, अपरिचित वस्तुओं के नामों की सूची, समाचार-पत्र, बाल-साहित्य कठपुतलियाँ, मुखोटे, कंप्यूटर, टीवी, राष्ट्रीय त्योहारों, ऋतुओं आदि के चित्र |

## सुनना और बोलना

| सुझावित विषय / क्षेत्र | सुझावित शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया | सुझावित अधिगम स्रोत |
|---|---|---|
| ➢ रोचक पहेलियाँ<br>➢ सांस्कृतिक आयोजन<br>➢ नाटक एवं संवाद<br>➢ विद्यालय द्वारा आयोजित भ्रमण के अनुभव जैसे – पुस्तक मेला, ऐतिहासिक स्थल आदि<br>➢ फंतासी पर आधारित कहानियाँ<br>➢ परिचित स्थितियों पर आधारित संदेश<br>➢ दूरदर्शन, कंप्यूटर, इंटरनेट, सिनेमा पर दिखाई जाने वाली, मेले, त्योहार, खेल, स्वच्छता, स्वास्थ्य आदि सामग्री पर प्रतिक्रिया<br>➢ सरल एवं परिचित विषयों पर प्रश्न निर्माण | ➢ कविताओं और गीतों की प्रस्तुति के लिए कक्षा में कविता-पाठ और अंत्याक्षरी जैसे खेल खिलाएँ।<br>➢ समाचार-पत्र, पत्रिकाएँ, बाल-साहित्य आदि उपलब्ध करवाएँ। उसमें से रोचक सामग्री पढ़कर सुनवाएँ / सुनाएँ। बच्चों को ऐसे अवसर प्रदान करें जिसमें बच्चे समाचार, कहानी, कविता आदि का प्रत्यास्मरण कर सकें, जैसे – वर्षा पर कोई कविता सुनाओ या मित्रता विषय पर कोई कहानी सुनाओ।<br>➢ नाटकों का अभिनय करवाने के अवसर प्रदान करें।<br>➢ भ्रमण के लिए विभिन्न स्थलों जैसे- डाकघर, पुस्तक – मेला, कोई फैक्ट्री, ऐतिहासिक स्थल आदि ले जाएँ। वहाँ की कार्य – प्रणाली, कर्मचारी, प्रदर्शित वस्तुएँ / पुस्तकें आदि की विस्तृत जानकारी दें।<br>➢ समय-समय पर भ्रमण के अनुभव सुनाने के लिए प्रोत्साहित करें।<br>➢ बच्चों को सरल संदेशों को दूसरे व्यक्ति तक पहुँचाने के लिए प्रेरित करें और बच्चों को अवसर भी दें।<br>➢ सुनी गई सामग्री पर प्रश्न पूछने के लिए प्रेरित करें। | |

# थीम 2: पढ़ना एवं लिखना (पठन एवं लेखन कौशल)

बच्चे पाठ्य-सामग्री को प्रवाहपूर्ण ढंग से पढ़ते हैं और उनकी लिखित अभिव्यक्ति विकसित और स्पष्ट हो जाती है। **विराम चिह्नों और उचित आरोह – अवरोह के साथ हस्त लिखित और मुद्रित सामग्री को पढ़ते हैं।** पढ़े गए विषयों पर अपने विचार क्रमबद्ध रूप से लिख सकते हैं। **व्याकरणिक इकाइयों – कर्ता, कर्म, क्रिया आदि तथा काल की पहचान करते हैं** और उनके शब्द भंडार में उत्तरोत्तर वृद्धि होती जाती है।

## अधिगम उपलब्धियाँ (Learning outcomes):

- विद्यालय, बाज़ार या अन्य स्थानों में प्रदर्शित विज्ञापनों / दीवार लेखन / होर्डिंग्स / सूचनाओं आदि को पढ़ सकेंगे।
- **अपने सहपाठियों का लेखन पढ़ सकेंगे।**
- रचनाओं को विराम चिह्नों का ध्यान रखते हुए सही उतार-चढ़ाव, लय, बलाघात से पढ़ सकेंगे।
- अपनी रुचि के अनुसार पाठ्य – पुस्तक के अतिरिक्त अन्य कहानी, कविताएँ, नाटक पढ़ सकेंगे।
- पठन सामग्री को पढ़कर उसकी मुख्य बात / विचार को समझ सकेंगे और घटनाओं के क्रम को समझेंगे।
- **आवश्यक नियमों और निर्देशों को क्रमवार सुना सकेंगे और उनका पालन कर सकेंगे और लिख सकेंगे।**
- विद्यालय के बरामदे, सभागार आदि में टँगे चित्रों को पढ़ कर उनका शीर्षक लिख सकेंगे।
- **चित्र कथाएँ, कार्टून पढ़ सकेंगे और स्वयं भी चित्र बनाकर उसकी प्रकृति के अनुसार संवाद / टिप्पणी लिख सकेंगे।**
- कहानी / कविता आदि को अपने अनुभव, कल्पना के आधार पर बदलते हैं और दिए गए विषयों पर वर्तनी और विराम चिह्नों का ध्यान रखते हुए छोटे अनुच्छेद व अनौपचारिक पत्र लिख सकेंगे रचनात्मक अभिव्यक्ति का विकास कर सकेंगे।
- तरह-तरह के भाषायी खेल खेल सकेंगे।

## पढ़ना एवं लिखना

| सुझावित विषय / क्षेत्र | सुझावित शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया | सुझावित अधिगम स्रोत |
|---|---|---|
| ▸ प्रदर्शित विज्ञापनों, सूचना पट्टों, होर्डिंग आदि पर लिखित सामग्री<br>▸ सहपाठियों द्वारा लिखित सामग्री जैसे – अनुच्छेद, कविता, पत्र आदि<br>▸ विभिन्न विषयों जैसे – एकता, मित्रता, सहयोग, चतुराई, सूझ – बूझ, साहस, वीरता, देशभक्ति, आदि पर रचनाएँ<br>▸ चित्र के साथ कविता / संवाद / कार्टून / चित्रकथाओं का पठन एवं लेखन | ▸ विज्ञापनों, सूचना पटों, होर्डिंग आदि मुद्रित सामग्री को पढ़ने के लिए प्रेरित करें।<br>▸ कक्षा के बच्चों की हस्तलिखित सामग्री एक दूसरे से पढ़वाएँ।<br>▸ कहानी, कविताओं आदि की पुस्तकें पढ़ने के लिए दें। कहानियों के मुख्य भाव / विषय पर प्रश्न पूछें। पात्रों / घटनाओं के बारे में बातचीत करें। घटनाओं को क्रमबद्ध करने के लिए कहें। घटनाओं और पात्रों को बदलकर कहानी को पुनः लिखने के लिए कहें। कहानी का अंत बदल कर लिखवाएँ।<br>▸ बच्चों को स्वयं छोटी छोटी-कविताएँ और | ▸ विज्ञापन, होर्डिंग, सूचना पट आदि। ऑडियो, वीडियो, सी०डी०, कार्ड, चित्र, पोस्टर, बुलेटिन बोर्ड आदि<br>▸ बाल – साहित्य, समाचार – पत्र, पत्रिकाएँ<br>▸ शब्द – संपदा के चार्ट आदि<br>▸ पहेलियाँ / चुटकुलें, कार्टून आदि |

## पढ़ना एवं लिखना

| सुझावित विषय / क्षेत्र | सुझावित शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया | सुझावित अधिगम स्रोत |
|---|---|---|
| ▸ व्याकरणिक संरचनाओं पर चार्ट<br>▸ सामाजिक जागरूकता से संबंधित विज्ञापन, समाचार पत्र, पत्रिकाओं आदि का पठन<br>▸ दैनिक जीवन की अनिवार्य सूचनाएँ एवं नियमावली, जैसे –<br>☛ *ट्रैफ़िक के नियम*<br>☛ *विद्यालय के नियम*<br>▸ अपने साथियों के साथ खेले जा रहे खेलों के नियमों का पठन एवं लेखन<br>▸ परिचित विषयों पर तुकबंदियों का निर्माण<br>**संदर्भ में व्याकरण**<br>▸ पूर्व कक्षाओं में सीखी व्याकरण की अवधारणाओं की पुनरावृत्ति एवं अभ्यास<br>▸ किसी वाक्य में कर्ता, कर्म एवं क्रिया की पहचान<br>▸ वर्तमान, भूत, भविष्य काल की पहचान, जैसे -<br>☛ *कहानी में काल परिवर्तन कर कहानी का आनंद लेना*<br>▸ शब्द संपदा में वृद्धि। समानार्थी विलोम, अनेक शब्दों के लिए एक शब्द, अनेकार्थी<br>▸ वचन की समझ और प्रयोग<br>▸ योजक शब्दों की पहचान और अनुप्रयोग<br>**रचनात्मक लेखन**<br>☛ *पत्र लेखन – अनौपचारिक (अपने पालतू पशु को, मित्र, या सहपाठी, पारिवारिक सदस्य को)* | तुकबंदियाँ बनाकर लिखने के लिए कहें। (फूल, वर्षा, बादल, मोर, गिलहरी, गेंद, माँ आदि विषयों पर)।<br>▸ किसी व्यंजन को बनाने की विधि बताएँ और लिखने को कहें।<br>▸ बच्चों से चित्र, कहानी, कविता से संबंधित चित्र बनवाएँ। उनके द्वारा बनाए गए चित्रों को प्रदर्शित करें।<br>▸ चित्र और कार्टूनों को देखकर बच्चों से उसका वर्णन अलग-अलग विधाओं में करवाएँ। जैसे – कविता, कहानी, संवाद आदि।<br>▸ समाचार पत्रों से सामाजिक जागरूकता से संबंधित विज्ञापन पढ़वाएँ और उनपर चर्चा करें, जैसे – पल्स-पोलियो अभियान, स्वच्छता अभियान, वन महोत्सव, जल-संरक्षण, पर्यावरण, प्रदूषण आदि।<br>▸ पाठ्य – सामग्री में से संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण और क्रिया शब्दों को छँटवाएँ।<br>▸ वाक्य में कर्ता और कर्म की पहचान करवाएँ जैसे – अक्षिता खाना खाती है - वाक्य में 'अक्षिता' कर्ता और 'खाना' कर्म है।<br>▸ बच्चों को काल की जानकारी दें और वाक्यों में पहचान करवाएँ।<br>▸ थिएट्रिकल एवं चित्रकारी से संबंधित गतिविधियों के माध्यम से विशेषण का अभ्यास करवाएँ।<br>▸ शब्द – संपदा में वृद्धि के लिए विभिन्न भाषायी खेल करवाएँ जैसे – वर्गपहेली से शब्द बनाना, विलोम छाँटना, समानार्थी शब्दों से वर्ग पहेली भरना आदि। शब्द – सीढ़ी, शब्द – लड़ी आदि।<br>▸ अनेकार्थी शब्दों का भिन्न – भिन्न अर्थों में वाक्य प्रयोग करवाएँ करवाएँ, जैसे – आम – एक फल, साधारण फल – खाने वाले फल और नतीजा या परिणाम। | |

## पढ़ना एवं लिखना

| सुझावित विषय / क्षेत्र | सुझावित शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया | सुझावित अधिगम स्रोत |
|---|---|---|
| ☛ *अनुच्छेद लेखन*<br>☛ *अनुभव लेखन – भ्रमण, अवलोकन आदि के अनुभव* | ➢ अनुच्छेद लिखवाएँ, जैसे – मेरी पहली बस यात्रा, विद्यालय में खाने की छुट्टी, खेल के मैदान की कोई याद, घर का प्रिय कोना, कक्षा का पहला दिन, मेरा नया मित्र आदि।<br>➢ बच्चों को पत्रों का प्रारूप समझकर अलग-अलग विषयों पर पत्र लेखन करवाएँ। विराम चिह्नों और वर्तनी पर विशेष ध्यान दिलवाएँ।<br>➢ बच्चों को किसी स्थान की यात्रा, घटना आदि से संबंधित अनुभव लिखने को कहें। | |